विषयानुक्रमणिका

भूमिका i-v

विषय प्रवेश 1—43

I. (क) रामकथा का स्वरूप

(i) परम्परा एवं विकास

(ii) रामकथा का महत्त्व

(iii) हरियाणा में रामायण

II. थानेसरी कृत रामायण एवं आर्यसंगीत रामायण के उद्देश्यों का तुलनात्मक अध्ययन

(क) थानेसरी कृत रामायण का उद्देश्य

(i) तत्कालीन परिस्थितियॉं

(ii) युगीन संस्कृति का चित्रण

(ख) आर्य संगीत रामाण का उद्देश्य

(i) तत्कालीन परिस्थितियॉं

(ii) युगीन संस्कृति का चित्रण

प्रथम अध्याय 44—59

अहमदबख्श थानेसरी कृति रामायण एवं आर्य संगीत रामायण : एक परिचय

(क) थानेसरी कृत रामायण का सामान्य परिचय

(i) रामायण का सामान्य परिचय

(ii) रामायण हरियाणा की संस्कृति और सभ्यता ही धरोहर

(iii) रामायण का रचनाकाल

(iv) अहमदबख्श का परिचय

(ख) आर्य संगीत रामायण का सामान्य परिचय

(i) रामायण का सामान्य परिचय

(ii) रामायण हरियाणा की संस्कृति और सभ्यता की धरोहर

(iii) रामायण का रचनाकाल

(iv) यशवन्त सिंह का परिचय

द्वितीय अध्याय **60–109**

थानेसरी कृति रामायण और आर्य संगीत रामायण की कथावस्तु की तुलनात्मक समीक्षा–

(क) थानेसरी कृत रामायण की कथावस्तु

(i) आदिकाण्ड की कथावस्तु

(ii) अयोध्या काण्ड की कथावस्तु

(iii) अरण्य काण्ड की कथावस्तु

(iv) किष्किंधा काण्ड की कथावस्तु

(v) सुन्दर काण्ड की कथावस्तु

(vi) लंका काण्ड की कथावस्तु

(ख) आर्य संगीत रामायण की कथावस्तु

(i) रामायण का कथासार

(ii) कथावस्तु का नाटकीय महत्त्व

(iii) तुलनात्मक समीक्षा

तृतीय अध्याय **110–205**

थानेसरी कृत रामायण एवं आर्य संगीत रामायण में चरित्र–चित्रण

(क) थानेसी कृत रामायण में चरित्र–चित्रण

(i) पुरुष पात्र– राम, लक्ष्मण, दशरथ, हनुमान, जनक, रावण आदि

(ii) स्त्री पात्र– सीता, कौशल्या,कैकेयी, मन्दोदरी, अनुसुइया आदि

(iii) अन्य पात्र– गरुड, जटायु आदि

(iv) अलौकिक पात्र– शंकर, ब्रह्मा आदि

(ख) आर्य संगीत रामायण में चरित्र–चित्रण

(i) पुरुष पात्र– राम, लक्ष्मण, दशरथ,हनुमान, जनक, रावण आदि

(ii) स्त्री पात्र– सीता, कौशल्या, कैकेयी,मन्दोदरी, अनुसुइया आदि

(iii) अन्य पात्र– गरुड, जटायु आदि

(iv) अलौकिक पात्र– शंकर, ब्रह्मा आदि का तर्कसंगत चित्रण

चतुर्थ अध्याय **206–233**

थानेसरी कृत रामायण एवं आर्य संगीत रामायण में प्रकृति–वर्णन

(क) थानेसरी कृत रामायण में प्रकृति–वर्णन

(i) थानेसरी एवं प्रकृति

(ii) जनपद एवं नगर वर्णन

(iii) वनों एवं उपवनों का वर्णन

(iv) रामायण में पर्वत तथा सरिता वर्णन

(v) मानव एवं प्रकृति का आत्मीय सम्बन्ध

निष्कर्ष

(ख) आर्य संगीत रामायण में प्रकृति–वर्णन

(i) टोहानवी एवं प्रकृति

(ii) जनपद एवं नगर वर्णन

(iii) वनों एवं उपवनों का वर्णन

(iv) रामायण में पर्वत तथा सरिता वर्णन

(v) मानव एवं प्रकृति का आत्मीय सम्बन्ध

निष्कर्ष

पंचम अध्याय **234–305**

थानेसरी कृत रामायण एवं आर्य संगीत रामायण में रस परिपाक

(क) थानेसरी कृत रामायण में रस परिपाक

(i) रामायण का अंगीरस

(ii) रामायण में अन्य रसों की अभिव्यजंना–शृंगार रस, वीर रस, रोद्र रस, भयानक रस, वीभत्स रस, अद्‌भुत रस, हास्य रस, शान्त रस आदि।

(ख) आर्य संगीत रामायण में रस परिपाक

(i) रामायण का अंगीरस

(ii) आर्य संगीत रामायण में अन्य रसों की अभिव्यजंना–शृंगार रस, वीर रस, रोद्र रस, भयानक रस, वीभत्स रस, अद्‌भुत रस, हास्य रस, शान्त रस आदि।

षष्ठ अध्याय **306–347**

थानेसरी कृत रामायण एवं आर्य संगीत रामायण कला की दृष्टि से

(क) थानेसरी कृत रामायण कला की दृष्टि से

(i) अहमदबख्श की भाषा की गुणवत्ता

(ii) भावानुकूल भाषा का प्रयोग

(iii) रामायण में अलंकार–योजना

(iv) रामायण में छंद–योजना

(ख) आर्य संगीत रामायण कला की दृष्टि से

(i) यशवन्त सिंह की भाषा की गुणवता

(ii) भावानुकूल भाषा का प्रयोग

(iii) रामायण में अलंकार–योजना

(iv) रामायण में छंद–योजना

उपसंहार **348–353**

ग्रन्थानुक्रमणिका **354–366**